(b) if so, what are the details thereof; and

(c) if not, what are the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI SHANTARAM POTDUKHE): (a) to (c) The fiscal deficit, which takes into account all borrowing in a financial year and is indicated in the Budget documents, acts as a ceiling on Government's overall borrowings. Government is committed to reduce the fiscal deficit to a manageable level.

Corrosion in A-310 and A-320 Aircraft

*190. KUMARI SAYEEDA KHATUN:
SHRI BHUBANESWAR KALITA:

Will the Minister of CIVIL AVIATION AND TOURISM be pleased to state:

(a) whether it is a fact that heavy corrosion has, recently, been found in four A-310 aircrafts with Air India and a number of A-320 aircrafts with Indian Airlines;

(b) if so, what is the number of such A-320 aircraft;

(c) whether the matter has been taken up by the Directorate General of Civil Aviation with its French counterpart and with the manufacturers;

(d) if so, what are the details thereof;

(e) whether any compensation has been demanded; and

(f) if so, what are the details threof?

THE MINISTER OF CIVIL AVIATION AND TOURISM (SHRI MADHAV RAO SCINDIA): (a) Corrosion was noticed on A-310 aircraft. No corrosion has been noticed on A-320 aircraft.

(b) Does not arise.

(c) and (d) Yes, Sir. The investigations revealed that the corrosion was intergranular/exfoliation on the horizontal pressure panel.

(e) and (f) Air India has taken up the matter with Airbus Industry. The exact amount of compensation is being worked out.

भारतीय व्यापार मेला प्राधिकरण के अन्तर्गत अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के व्यक्तियों को दुकान, कियॉस्क और रेस्तरां का आवंटन

*191. **श्रीमती सत्या बहिन:** क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) भारतीय व्यापार मेला प्राधिकरण के कुल कितनी दुकानें, कियॉस्क और रेस्तरां चल रहे हैं और उनके आवंटन की प्रक्रिया क्या है;

(ख) पिछले तीन वर्षों के दौरान अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के व्यक्तियों को ऐसी कितनी दुकानें, कियॉस्क रेस्तरां आवंटित किये गये हैं;

(ग) यदि इस प्रकार का आवंटन नहीं किया गया है, तो इसके क्या कारण हैं, और

(घ) इस प्रकार का आवंटन करने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाये जा रहे हैं?

वाणिज्य मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री पी॰ चिदम्बरम): (क) से (घ) ट्रेड फेयर आथारिटी आफ इंडिया, जिसे अब इंडिया ट्रेड प्रोमोशन आर्गनाइजेशन (आ॰टी॰पी॰ओ॰) नाम दिया गया है, के अन्तर्गत 27 जुलाई, 13 कियास्क और 6 रेस्तरां चल रहे हैं। दुकानों/कियॉस्क/रेस्तरां के आवंटन के लिए अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के लोगों के लिए आरक्षण की कोई व्यवस्था नहीं है। पिछले तीन वर्षों से अब तक टी.एफ.ए.आई. ने दुकानों के संबंध में कोई आवंटन नहीं किया है। जहां तक पिछले तीन वर्षों के दौरान कियॉस्क/रेस्तरां के आवंटन का संबंध है, चूंकि यह एक व्यावसायिक कार्य है इसलिए टी.एफ.ए.आई. ने समाचार पत्रों में विज्ञापन निकालकर आवेदन पत्र आमंत्रित किए और भोजन प्रबंध तथा खाद्य पदार्थों की बिक्री के संबंध में उनके पूर्व ज्ञान एवं अनुभव के आधार पर आवंटन किए।

Privatisation of I.T.D.C.

*192. MISS SAROJ KHAPARDE: Will the Minister of CIVIL AVIATION AND TOURISM be pleased to refer to the answer to Starred Question 4 given in the Rajya Sabha on the 25th February, 1992 and state:

(a) what are the names of the I.T.D.C. hotels which are proposed to be privatised;

(b) whether it is also a fact that a

dozen of the world's top hotel chains are vying to grab equity stakes in 8 I.T.D.C. hotels which are stated to be privatised in the first instance as per the news report in the Indian Express, of the 7th February, 1992 entitled "8 I.T.D.C. units to be privatised—World Hotel Gaints vie for equity stake"; and

(c) if so, what are the details in this regard?

THE MINISTER OF CIVIL AVIATION AND TOURISM (SHRI MADHAV RAO SCINDIA): (a) to (c) Government have formulated a scheme whereby small groups of ITDC hotels would be formed for the purpose of developing them as joint ventures with leading foreign hotel chains. In the first instance, two groups of four hotels each are proposed to be developed in this manner for which offers have been invited from reputed hotel chains. Some leading foreign hotel chains have evinced interest in this scheme but no final decision in the matter has yet been taken.

उत्तर प्रदेश में एस०टी०डी० की सुविधा

*193. **मौलाना ओबैदुल्ला खान आज़मी** : क्या **संचार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) वर्ष 1992 में उत्तर प्रदेश में अब तक किन-किन स्थानों को एस०टी०डी० सुविधा से जोड़ दिया गया है तथा उन स्थानों की कोड-संख्या क्या-क्या है;

(ख) दिसम्बर, 1992 तक किन-किन स्थानों को एस०टी०डी० सुविधा से जोड़ दिये जाने का विचार है, और

(ग) संचार सुविधाओं के विस्तार में और तेजी लाने के लिए सरकार द्वारा क्या-क्या कदम उठाये जा रहे हैं?

संचार मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री राजेश पायलट): (क)

फर्रुखाबाद — 05692
सिकन्दराबाद — 05735
कोटवा — 054297
राठ — 05162-89

(ख) सूची विवरण में दी गई है। **(नीचे देखिये)**

(ग) (i) उत्तर प्रदेश में बड़ी संख्या में टेलीफोन कनेक्शन प्रदान करते हुए टेलीफोन नेटवर्क का विस्तार करने का प्रस्ताव है। 8वीं पंचवर्षीय योजना के मसौदे में देश के ग्रामीण और जनजातीय क्षेत्रों में मांगने पर टेलीफोन कनेक्शन वास्तविक रूप से उपलब्ध कराने और बड़ी टेलीफोन प्रणालियों में प्रतीक्षा सूची के 2 वर्ष तक सीमित रखने की परिकल्पना की गई है।

(ii) दूरसंचार सुविधाओं के प्रभाव को बढ़ाने के लिए 8 वीं पंचवर्षीय योजना के दौरान एस०टी०डी० सेवाओं का विस्तार जिला मुख्यालयों, उप मंडलीय मुख्यालयों, तहसील मुख्यालयों, औद्योगिक संवृद्धि केन्द्रों, तीर्थ स्थानों, पर्यटन केन्द्रों और अन्य आटोमैटिक एक्सचेंजों तक किया जा रहा है।

(iii) 31.3.1995 तक प्रत्येक ग्राम पंचायत में एक टेलीफोन उपलब्ध कराने का प्रस्ताव है।

विवरण

दिसंबर, 1992 तक एस०टी०डी० सुविधा से जोड़े जाने वाले उत्तर प्रदेश के प्रस्तावित स्थान

हलद्वानी, निघासन, नीमसर, सिथौली, सरधना, सिकंदराबाद, ऐतमादपुर, अतरौली, मेजा, रासड़ा, कारवी, आँवला, भामपुर, नजीबाबाद, दुमरियागंज, खलीलाबाद, हाटा, कैराना, जोशीमठ, झाँसी, गढ़ मुक्तेश्वर, गजरौला, ऊँचाहार, मालवान, डिबियापुर, गोलागोकर्णनाथ, ऋषिकेश, सम्भल, अमरोहा, चंदौसी, नवाबगंज (गोंडा), चौरीचौरा, शामली, टांडा।

Organisation of Fairs Abroad by TFAI

*194. SHRI RAMDAS AGARWAL: Will the Minister of COMMERCE be pleased to state:

(a) what is the number of trade fairs organised abroad by the Trade Fair Authority of India during the last three years;

(b) what is the number of such fairs, exhibitions in which T.F.A.I propose to participate during the financial year 1992-93;

(c) what was the expenditure incurred on such fairs during the years 1990-91 and 1991-92, the foreign exchange earned and the export business yielded thereby;

(d) whether it is also a fact that